



525/

Ankheya
Nagar**GENERAL STUDIES (Test-12)**निर्धारित समय: तीन घंटे
Time allowed: Three Hours**GSM (M-I)-2412**अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250Name: Ravi° Raaz

Mobile Number: _____

Medium (English/Hindi): Hindi

Reg. Number: _____

Center & Date: 525/UPSC Roll No. (If allotted): 8007323**प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश**

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

इसमें बीस प्रश्न हैं तथा हिन्दी और अंग्रेज़ी दोनों में छपे हैं।

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिये गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।

प्रश्न-सह-उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS*Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:**There are **TWENTY** questions printed both in **HINDI** and **ENGLISH**.**All the questions are compulsory.**The number of marks carried by a question is indicated against it.**Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.**Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.**Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.*

केवल मूल्यांकनकर्ता द्वारा भरा जाए (To be filled by Evaluator only)

Question Number	Marks	Question Number	Marks
1.		11.	
2.		12.	
3.		13.	
4.		14.	
5.		15.	
6.		16.	
7.		17.	
8.		18.	
9.		19.	
10.		20.	
Grand Total (सकल योग)			

मूल्यांकनकर्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)पुनरीक्षणकर्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)



Student's Feedback					
Sr. No	Parameter	Poor	Average	Good	Excellent
1.	Handwriting & Grammar				
2.	Introduction				
3.	Meeting Demand				
4.	Conceptual Clarity				
5.	Structure & Presentation				
6.	Value Addition				
7.	Flow Chart/Diagram				

Area of Strength

Area of Improvement

1. स्वतंत्रता के बाद से भारत की विदेश नीति में हुए प्रमुख परिवर्तनों का विश्लेषण करते हुए भारत द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने में इसकी सफलता का मूल्यांकन कीजिये। (150 शब्द) 10
- Analyze the key shifts in India's foreign policy since independence and evaluate their success in achieving India's objectives. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लिखना
चाहिये।

(Candidate must not
write on this margin)

किसी भी राष्ट्र की विदेश नीति

का मूल उद्देश्य उस राष्ट्र के आर्थिक, सामरिक, राजनीतिक और इत्नीतिक हितों को शांतिपूर्ण तरीके से तथा संतुलित दृष्टिकोण के साथ साधना होता है। इसी के अनुरूप बदलती परिस्थितियों के अनुसार राष्ट्रों की विदेश नीति में परिवर्तन भी देखे जाते हैं।

स्वतंत्रता के बाद से भारत की विदेश नीति में होने वाले कुछ परिवर्तन

4(i) ४० रुस के साथ ही USA के साथ के संबंधों पर बल दिया जाना जिससे भारत के हित दोनों पक्षों से सुरक्षित व संवर्धित होते रहे।

4(ii) आर्थिक व सामरिक शक्ति में वृद्धि के साथ ही भारत की विदेश नीति का अधिक धृष्ट व आत्मविश्वास से युक्त होगा।

(iii) 'Look east' से 'Act east' की नीति की ओर आगे बढ़ना।

(iv) विदेश नीति के निर्धारण में 'माफ़रवाद' का स्थान 'समर्थवाद' के द्वारा भिन्न आना।
(दवाब के बाद रुस के साथ निगलता बनाकर रखना)

परिवर्तित विदेश नीति का प्रभाव

- वैश्विक दक्षिण ^{नेता} के रूप में भारत का तीव्र उत्थान
- 'अंतर्राष्ट्रीय मंचों' पर भारत की बढ़ती भूमिका
- भारत के आर्थिक हितों की सुरक्षा (रूसी तेल के आयात से) अरबों \$ की बचत)
- पर्याप्त पश्चिम तथा रूस के बीच संबंधों में संतुलन स्थापित करने के कारण पश्चिम की आलोचना।

भारत की विदेश नीति में होना परिवर्तन बदलती परिस्थिति - तिनों के अनुरूप होने के कारण मोटे तौर पर संतुलन सिद्ध हुआ है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

Feedback

(For official use only)

Introduction

Content

Structure
& Presentation

Value Addition

Conclusion

Marks Obtained

2.

व्याख्या कीजिये कि भारतीय समाज में विद्यार्थियों के मध्य आत्महत्या की घटनाओं में वृद्धि क्यों हो रही है? (150 शब्द) 10

Explain why suicide among students is increasing in Indian society. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लिखना
चाहिये।

(Candidate must not
write on this margin)

NCRB के रिपोर्ट के अनुसार 2022 में
भारत में लगभग 13,500 विद्यार्थियों ने आत्महत्या
की।

विद्यार्थियों की आत्महत्या की वृद्धि के कारण -

- (i) शैक्षिक संस्थाओं द्वारा विद्यार्थियों पर
पढ़ाई का अतिशय भार डाला जाना
- (ii) विद्यार्थियों का अपने लक्ष्य की प्राप्ति
में विफल रह जाना
- (iii) शिक्षा में सफलता हेतु परिवार व
समाज के द्वारा अत्यधिक दबाव
डाला जाना
- (iv) सीमित आर्थिक व शैक्षिक अवसर के कारण
प्रतिस्पर्धा में वृद्धि
- (v) बदलती शिक्षण प्रणाली व नए
मानकों में विद्यार्थियों का अनुकूलन
न कर पाना

- (vi) अकेलेपन व अवसाद
→ (vii) सामाजिक छेड़छाड़ की भावना आदि -

आत्महत्या के रोकथाम हेतु उठाए गए सरकारी कदम

- (i) राष्ट्रीय आत्महत्या रोकथाम रणनीति - (2021)
→ (ii) कोचिंग संस्थाओं के विनियम हेतु नियम, 2024
→ (iii) शैक्षिक संस्थाओं में प्रधानाचार्य के निर्देशन में छात्रों की मनोविवेक की निगरानी हेतु समितिकी शासकीय अधिदेश
→ (iv) 'टेबल मानस सेवा' की शुभ्रारत

अ

अविवेक के नियंत्रण के रूप में विद्यार्थियों की बढ़ती आत्महत्या चिंता का विषय है जिसमें रोकथाम हेतु स्कूल व कॉलेज के पाठ्यक्रमों सुधार से लेकर स्वास्थ्य प्रणाली के स्तर पर नवोन्मेषी उपाय उपेक्षित हैं।

उम्मीदवार को इस हार्शिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

Feedback

(For official use only)

Introduction

Content

Structure
& Presentation

Value Addition

Conclusion

Marks Obtained

3. भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा और सॉफ्ट पावर को बढ़ाने में प्रवासी भारतीयों के महत्व का विश्लेषण कीजिये। प्रवासी भारतीयों के साथ जुड़ने के भारत सरकार के प्रयासों के साथ विश्वभर में भारत के प्रभाव में वृद्धि करने की उनकी क्षमताओं पर प्रकाश डालिये। (150 शब्द) 10

Analyze the importance of the Indian diaspora in enhancing India's global standing and soft power. Highlight the Indian government's efforts to engage with the diaspora and harness their potential to promote India's projection in the world. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

अध्ययनों के अनुसार लगभग 1.88 करोड़ प्रवासी भारतीयों दुनिया के विभिन्न देशों में निवास करते हैं जिनमें विभिन्न भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा और सॉफ्ट पावर बढ़ाने में अमूल्य योगदान दिया।

प्रवासी भारतीयों का महत्व

- (i) USA समेत अनेक देशों में प्रवासी भारतीय महत्वपूर्ण राजनीतिक पदों पर आसीन हैं।
- (ii) भारतीय प्रवासी 'उद्यमियों' ने दुनियाभर में अनेक उद्यमों की स्थापना की है इसके अतिरिक्त वे MMC के महत्वपूर्ण पदों पर आसीन हैं (सत्यनडेला CEO माइक्रोसॉफ्ट)
- (iii) भारतीय क्षमकों की मांग अजरामर तथा ताइवान के अतिरिक्त यूरोपीय देशों में भी रही है।

(iv) 'अद्ययन' के क्षेत्र में 'प्रवासी भारतीयों का विशेष योगदान रहा है (BS नॉएपल, नोबल पुरस्कार विजेता)।

भारतीयों प्रवासियों के साथ जुड़ाव हेतु सरकार के प्रयास -

- OCI कार्ड की व्यवस्था
- 9 फरवरी को 'प्रवासी भारतीय दिवस' मनाया जाना
- PM तथा अन्य बड़े सार्वजनिक पदों पर शामिल भारतीयों के द्वारा विदेशों में रहे रहे भारतीयों को संबोधित किया जाना
- 'प्रवासी भारतीय पुरस्कार' का वितरण

भारत की प्रतिष्ठा व सॉल्टपावर में वृद्धि के बाहक के रूप में प्रवासी भारतीय भारत के सभ्यतावादी राजद्रोह माने जाते हैं इसी परिप्रेक्ष्य में सरकार के द्वारा प्रवासी भारतीयों के लिए कुछ अन्य विशेष उपायों की व्यवस्था और प्रभावी सिद्ध हो सकती है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

Feedback

(For official use only)

Introduction

Content

Structure & Presentation

Value Addition

Conclusion

Marks Obtained

4. भारत के पड़ोसी क्षेत्रों में चीन के बढ़ते प्रभाव के संदर्भ में भारत की 'पड़ोस प्रथम' (नेबरहुड फर्स्ट) नीति की प्रभावशीलता का मूल्यांकन कीजिये। (150 शब्द) 10

Evaluate the effectiveness of India's 'Neighbourhood First' policy in the context of China's increasing presence in the region. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

एशिया में भारत और चीन दो प्रमुख क्षेत्रीय शक्तियाँ हैं जहाँ चीन भारत के प्रभावक्षेत्र को सीमित करने के लिए भारत के पड़ोसियों को अपने तत्वज्वाह की नीति के तहत अपने बख में करने का प्रयास करता रहता है। भारत द्वारा शुरू किए गए 'पड़ोस प्रथम' की नीति को इसी संदर्भ में देखा जाता है।

पड़ोस प्रथम नीति के तहत किए गए कुछ प्रयास -

→ (i) कोविड-19 के दौरान पड़ोसियों को लैप्स, औषधि तथा अन्य आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति।

→ (ii) श्रीलंका को आर्थिक संकट (2022) के कारण 3 अरब डॉलर से अधिक ऋण सहायता दिया गया। (चूँकि चीन के द्वारा अस्वीकार)

(iii) बांग्लादेश के साथ सम्पर्क व साधन,
व व्यापार को प्रोत्साहन

→ (iv) 2015 के नेपाल भूकंप में भारत
के द्वारा सबसे पहले राय बचाया
जाना



चीनी नीति

- ऋणप्राल
- वंकाइयों पर नियंत्रण (विदेशी)
- अवसंरचनागत विकास में उचित सहायता
- कुछ पड़ोसी राष्ट्र के बीच भारत की बढ़ती
- स्वीकृति (शीलका)
- कुछ देशों में 'इंडिया डाउट रुम्पेन' को प्रोत्साहन (मालदीव)
- दक्षिण एशियाई बुद्धिजीवियों में भारत की प्रति स्मारात्मक अतिवृद्धि।

प्रभाव

अतएव भारत पर पड़ोसी प्रथम नीति का मिला
पूला प्रभाव ही रहा है।¹⁰

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लिखना
चाहिये।

(Candidate must not
write on this margin)

Feedback

(For official use only)

Introduction

Content

Structure
& Presentation

Value Addition

Conclusion

Marks Obtained

5. वर्तमान समय में जातिगत चेतना में वृद्धि का भारतीय समाज के सामूहिक स्वरूप पर क्या प्रभाव पड़ रहा है? (150 शब्द) 10

How is the increase in caste consciousness in the present times impacting the collective nature of Indian society? (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

जातिप्रथा। भारत की कड़ी किंतु बड़ी सच्चाई है। आर्थिक, शैक्षिक व सर्वोच्चानिक प्रणालियों के वावजूद विगत दशकों के दौरान भारत में जातिगत चेतना में वृद्धि हुई है।

जातिगत चेतना में वृद्धि के कारण :-

- कारण
- (i) शिक्षण के कारण कथित दलित जातिपों की चेतना का विकास
 - (ii) राजनीतिक दलों द्वारा जातिपों का 'वोट बैंक' के रूप में प्रयोग
 - (iii) अपनी जाति के प्रति गौरव की भावना का विकास
 - (iv) आरक्षण की व्यवस्था

जातिगत चेतना में वृद्धि से भारत के सामूहिक स्वरूप पर प्रभाव

→ (i) जातिगत पहचान का मुखर होना

- (iii) जाति की राजनीति पर बल (परफेक्टर)
- (iii) समाज में विभिन्न जातियों के बीच स्पष्ट विभाजन
- (iv) जातिगत सामाजिक संगठनों का उद्भव (क्षत्रिय महासभा)
- (v) विभिन्न जातियों की बीच अपनी प्रभुता स्थापित करने के लिए संघर्ष
- (vi) समाज में अतीत के प्रति विभिन्न जातियों के साथ हुए क्षयाप के प्रति जन चेतना का विकास
- (vii) सामाजिक न्याय की आवश्यकता को रेखांकित किया जाना।

जातिगत चेतना के वृद्धि के कारण भारतीय समाज पर कुछ स्फारात्मक तो कई नकारात्मक प्रभाव देखने को मिलते हैं जिसके समाधान हेतु तार्किक व वैज्ञानिक शिक्षा पर बल, सामंती व अतीत के प्रति दासता का बोध का समुचित संवोधन उपयोगी होगा।

www.drishtiias.com

Contact: 8750187501, 8448485517

Copyright - Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

Feedback

(For official use only)

Introduction

Content

Structure
& Presentation

Value Addition

Conclusion

Marks Obtained

6. भारत-अमेरिका संबंधों के ऐतिहासिक विकास का परीक्षण कीजिये और मूल्यांकन कीजिये कि प्रौद्योगिकी में हाल के सहयोग ने दोनों देशों के संबंधों को किस प्रकार प्रभावित किया है। (150 शब्द) 10

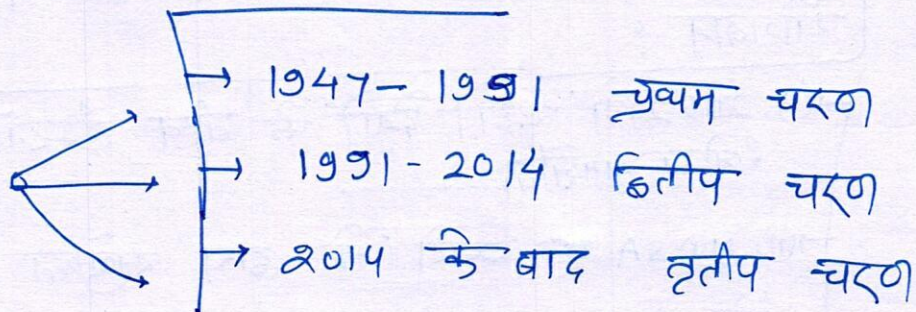
Examine the historical evolution of India-USA relations and evaluate how recent collaborations in technology have impacted the relationship. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लिखना
चाहिये।

(Candidate must not
write on this margin)

भारत तथा अमेरिका दोनों ही विश्व
के दो प्रमुख लोकतंत्र हैं जिनके संबंधों
में उतार-चढ़ाव का दौर रहा है।

भारत अमेरिकी संघ के संबंध
के तीन चरण:



प्रथम चरण - 1947-1991

- (i) संबंध प्रायः सिधित
- (ii) भारत के प्रति USA का कठोर रूप
(जिसमें भारत के चाक की सहायता देना)
- (iii) भारत की गुपनिरेपक्षा व U.S.S.R के प्रति
व्यक्राव

दूसरा चरण - 1991-2014 - संबंधों में सुधार व अतिरिक्त

- (i) NRI की बढ़ती संख्या, भारतीय बाजार
का खुलना
- (ii) चीन की 13 उभार

H(ii) नागरिक परमाणु सम्मेलन , 2007

तृतीय चरण - 2014 के बाद

- संबंधों में अत्यधिक सुधार
- भारतीय PM की आठ अमेरिकी यात्रा
- लेमुआ, बेका जैसे सम्मेलन
- QUAD की स्थापना

संबंधों को प्रभावित करने में प्रौद्योगिकी का योगदान :

- (i) 2022 में दोनों देशों के बीच टेम्पेलाजी प्रीच सम्मेलन
- (ii) NASA व इसरो के द्वारा समुक्त रूप से 'NISAR' उपग्रह का विकास
- (iii) अर्बमिस सम्मेलन पर परस्पर सहयोग
- (iv) 'chip' निर्माण पर सम्मेलन (मास्क्रान के द्वारा उपराट में एक संयंत्र स्थापित किया जाना)
- (v) MQ- डोन को खरीदी

इस तरह से तकनीकी विकास व सम्मेलन ने दोनों देशों के संबंधों को प्रघाट कर आपसी हित के साथ-साथ वैश्विक स्थितियों का संरक्षण किया है

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

Feedback

(For official use only)

Introduction

Content

Structure
& Presentation

Value Addition

Conclusion

Marks Obtained

7. सोशल मीडिया की लत किशोरों के मानसिक स्वास्थ्य पर किस प्रकार प्रभाव डालती है?

(150 शब्द) 10

How does addiction to social media have an impact on the mental health of teenagers?

(150 words) 10

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लिखना
चाहिये।

(Candidate must not
write on this margin)

विगत कुछ वर्षों में सोशल मीडिया
दोधारी तलवार सिद्ध हुआ है किंतु इसके
नकारात्मक प्रभावों के समानांतर इसके नकारात्मक
प्रभाव कभी अधिक रहन व व्यापक रहे हैं।

किशोरों के मानसिक स्वास्थ्य पर
प्रभाव :-

- (i) ध्यानकेंद्रित करने की क्षमता में ह्रास
(रीलस)
- (ii) अवसाद या तनाव में वृद्धि
- (iii) नींद न आने की बीमारी (फोनोमाइनिया)
- (iv) हिसंक प्रवृत्ति का विकास
- (v) PUBG, FREE FIRE आदि
- (vi) स्टंट के प्रयास भ्रमर: जान का
जोखिम में जान (पूरे के रूक
किशोरों के द्वारा 14 वें मंजिल से
जलांग लगाना)

- (vii) स्मरण शक्ति में गिरावट
- (viii) रियल फ्रेंड्स के स्थान पर क्विज में अधिक रुचि

सोशल मीडिया के अन्य प्रभाव

- स्वास्थ्य संबंधी समस्या (आँखों व जड़ों की)
- शारीरिक सक्रियता में कमी
- अंतरमुखी व्यक्तित्व का विकास
- सामाजिक अंतरांतरा में गिरावट

सरकार के कुछ प्रयास

- IT विनियमन, 2021
- ऑनलाइन गेमिंग को 9 PM के दायरे में लाया
- कई वेबसाइट (अश्लील) पर प्रतिबंध

सुझाव -

- किशोरों के लिए सोशल मीडिया पर प्रतिदिन समय सीमा का निर्धारण (जिन में 2 घंटे)
- शैक्षिक पाठ्यक्रम में उपयुक्त सुधार
- अन अभिप्राय की शुरुआत
- IT अधिनियम में सुधार

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लिखना
चाहिये।

(Candidate must not
write on this margin)

Feedback

(For official use only)

Introduction

Content

Structure
& Presentation

Value Addition

Conclusion

Marks Obtained



8. साझा मूल्यों एवं हितों को ध्यान में रखते हुए नाटो (NATO) और भारत के बीच गहन संवाद तथा सहयोग की संभावनाओं पर चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

Discuss the potential for deeper dialogue and cooperation between NATO and India, considering their shared values and interests. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लिखना
चाहिये।

(Candidate must not
write on this margin)



उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लिखना
चाहिये।

(Candidate must not
write on this margin)

Feedback

(For official use only)

Introduction
Content
Structure & Presentation
Value Addition
Conclusion
Marks Obtained

9. भारत में धर्मनिरपेक्षता के समक्ष घृणास्पद भाषण (हेट स्पीच) से उत्पन्न चुनौतियों का विश्लेषण करते हुए ऐसी घटनाओं को रोकने एवं संबोधित करने हेतु उपाय बताइये। (150 शब्द) 10

Analyze the challenges posed by hate speech to India's secular fabric and suggest measures to prevent and address such incidents. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 25-28 के बीच जहाँ धर्मनिरपेक्षता का उल्लेख किया गया था वही अनुच्छेद 19 (A) में आम जनता की स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार दिया गया है। दशकों के बाद में घृणास्पद भाषण की वृद्धि में इन दोनों अधिकारों के बीच के संतुलन को बिगाड़ दिया।

धर्मनिरपेक्षता के समक्ष घृणास्पद भाषण की चुनौतियाँ

- (i) असहिष्णुता में वृद्धि
- (ii) सामाजिक ताने-बाने में बिखराव
- (iii) कट्टरता को प्रोत्साहन
- (iv) कानून व्यवस्था के समक्ष चुनौती
- (v) धार्मिक अस्मिता पर चोट

प्रभावी उपाय

- (i) स्मॉल कार्गो का निर्माण
- (ii) 2023 में सर्वोच्च न्यायालयों द्वारा दिए गए दिशा निर्देशों का शक्ति से पालन
- (iii) स्कूली तथा कॉलेज के पाठ्यक्रम में सुधार
- (iv) व्यापक नेतृत्वों का धर्म बढ़ाकर अपने धर्म के अनुयायी का समूचित मार्गदर्श प्रदर्शन करना
- (v) Mother's Speech की सामाजिक अस्वकृति

Mother's Speech से निपटने में पुलिस प्रशासन तथा व्यापकालिका के साथ समाज तथा धर्म की सक्रिय भागीदारी उपयोगी है।

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लिखना
चाहिये।

(Candidate must not
write on this margin)

Feedback

(For official use only)

Introduction

Content

Structure
& Presentation

Value Addition

Conclusion

Marks Obtained

10.

भारत की विविध सांस्कृतिक विरासत की मुख्य विशेषताओं को बताते हुए देश के सामाजिक विन्यास को आकार देने में इसके महत्व की चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

Discuss the salient features of India's diverse cultural heritage and their significance in shaping the country's social fabric. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

भारत विश्व की प्राचीनतम संस्कृति व सभ्यता वाले देशों में से है जिसकी अभिव्यक्ति इसकी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत में भी होती है।

सांस्कृतिक विरासत की मुख्य विशेषता

- (i) भाँतिजता के साथ ही मह्यमिफता पर बल (तप्यमहल के साथ ही समिधवाम में Rock Museum का निर्माण)
- (ii) प्राचीन काल से ही शिक्षण संस्था पर विशेष बल (तप्यमहल नालपा व विक्रम शिला विश्व विद्यालय)
- (iii) अमूर्त सांस्कृतिक धरोहरों की अमलधता (योग)
- (iv) विविधता शूलक चरित्र (स्व्यापत्प शैली की पित्तकला) जैन साहित्य से लेकर हिन्दुता में संगीत।

* सामाजिक विन्यास में इसका महत्व

महत्व

- (i) विविधतामूलक संस्कृति का निर्माण
- (ii) सामाजिक संस्कृति व समाज का निर्माण
- (iii) सामाजिक संरचना पर विविधता के बावजूद एकता का सूत्र में 'बंदा' होगा
- (iv)

अतः भारत की सांस्कृतिक विरासत भारत की सामाजिक विन्यास को गहराई में प्रभावित करती है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

Feedback

(For official use only)

Introduction

Content

Structure
& Presentation

Value Addition

Conclusion

Marks Obtained

11. 'अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा हेतु विश्व की अग्रणी संस्था होने के बावजूद, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद अपने आदर्शों से चूक गई है।' इस कथन के विषय में आपकी क्या राय है? अपने उत्तर को पुष्ट करने के लिये कारण दीजिये। (250 शब्द) 15

'Despite being the world's leading body for international peace and security, the UN Security Council has fallen short of its ideals.' What is your opinion about this statement? Give reasons to support your answer. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

द्वितीय विश्व युद्ध के पश्चात् (1939-1945), 1945 में UNO को विशिष्ट अंग के रूप में 'UN सुरक्षा' परिषद का गठन किया गया था जिसका प्रमुख उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय शांति व सुरक्षा को प्रोत्साहित करना था। किंतु विविध कारणों से यह अपनी आदर्शों की प्राप्त करने में पूरी तरह से सफल नहीं रह सकी।

सुरक्षा परिषद के असफलता के कुछ प्रमाण निम्नलिखित हैं -

- (i) UN सुरक्षा परिषद के निर्णय के बावजूद कश्मीर की समस्या का निपटारा न होना तथा इस मुद्दे पर भारत और पाकिस्तान के बीच चार बड़े युद्ध व निरंतर सीमा विवाद का होना।

→ (ii) UNSC के द्वारा फ़िलीस्तीन के मुद्दे का सहमति आधारित समाधान में असफल रहना। तथा लगभग 1 वर्ष से इजराइल व हमास के बीच सैन्य संघर्ष।

→ (iii) विगत 2.5 वर्षों से रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध जारी रहने के कारण वैश्विक खाद्य सुरक्षा व अव्यवस्था बाधित किंतु UNSC पूरी तरह से मौन।

→ (iv) शीतयुद्ध के दौरान UNSC की निष्क्रियता से विश्व आधी सदी तक तृतीय विश्वयुद्ध के मुहाने पर खड़ा रहा।

→ (v) विघटनमय संघर्ष के दौरान UNSC लगभग निष्क्रिय।

UNSC के विफलता के कारण

→ (i) VETO की अत्यांतिक शक्ति तथा इसका दुरुपयोग

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

→ (ii) पहले USA और U.S.S.R और तथा जब USA तथा चीन के बीच UNSC में शामिल होकर बनमानी किया जाना

→ (iii) UNSC के सदस्य देशों का अपने राष्ट्रीय हितों के प्रति प्रविष्टता न की वैश्विक हितों के प्रति

→ (iv) UNSC को पास अपनी सेना का न होना

→ (v) प्राप्त बजट में USA तथा उसके सहयोगी देशों का मुख्य योगदान

→ (vi) UNSC का 1945 के द्वि-राजनीतिक व द्वि-सम आर्थिक परिस्थितियों के अनुरूप होना।

यद्यपि कुछ ऐसे भी अवसर आए हैं जब UNSC ने अंतरराष्ट्रीय शांति व सुरक्षा के संवर्द्धन हेतु सारास्त्रीय प्रयास किया है यथा 'सौरिया संकट' (1950-51), 'स्वेनलैंड संकट' (1956), घागा संघर्ष, अरब स्प्रिंग किंतु USA तथा रूस के बीच के आपसी मतभेद हमेशा से ही UNSC के आपसी आदर्शों में मार्ग में बाधक रहे हैं और UNSC में आवश्यक समय लुप्त हो रहा है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

Feedback

(For official use only)

Introduction

Content

Structure
& Presentation

Value Addition

Conclusion

Marks Obtained

12.

भारत-मालदीव संबंधों में जटिलता के कारणों का परीक्षण कीजिये और विशेष रूप से चीन की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए हिंद महासागर क्षेत्र पर इसके प्रभाव का आकलन कीजिये। (250 शब्द) 15

Examine the causes of complication in India-Maldives relationship and assess the impact on the Indian Ocean region, with special emphasis on the role of China. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

भारत और मालदीव ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, भौगोलिक व आर्थिक रूप से हमेशा ही एक दूसरे के बेहतरीन मित्र रहे हैं किंतु पिछले एक वर्ष में दोनों देशों के सम्बंधों में काफी गिरावट देखने को मिली है।

संबंध में गिरावट के कारण

- (i) → नव निर्वाचित मालदीवीय राष्ट्रपति मोहम्मद मोइज्जो की भारत विरोधी रुढ़िवादी
- (ii) → मालदीव ने पिछले कुछ वर्षों में चला 'India's Best Friend'
- (iii) → मालदीव में कट्टरवाद में होती विस्तृत शक्ति
- (iv) → मालदीव में चीन का बढ़ता प्रभाव / हस्तक्षेप
- (v) → मालदीव की अवसरानुवादी निर्माण में भारत की घीमी प्रगति।



उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लिखना
चाहिये।

(Candidate must not
write on this margin)

यद्यपि भारत और मालदीव के बीच बेहतर संबंधों का संबंध इतिहास रहा है

बेहतर संबंध	कारण
→ ऑपरेशन केबल (1988)	→ भौगोलिक निकता
→ ऑपरेशन नीर (2015)	→ सांस्कृतिक जुड़ाव
→ भारत मालदीव का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार	→ पर्यटन
→ पारंपरिक रूप से मालदीव के राष्ट्रपति का पहली विदेशी यात्रा में भारत आना	→ भारत के 'पड़ोस प्रथम' की नीति
→ मालदीव के पर्यटन में भारतीयों की सर्वाधिकता	→ गुजरात डॉक्ट्रिन

* पश्चिम होते संबंधों हिंद महासागरीय क्षेत्र पर प्रभाव -

(i) चीन के 'मौतियों के माला की नीति' का अधिक सभावी व विस्तृत होने की संभावना

(ii) खुले समवेशी और स्वतंत्र हिंद महासागर पर चीन की उपस्थिति से आशंकाओं की संभावनाएं

(iii) दक्षिण एशिया में (पड़ोसी राष्ट्रों में) भारत की स्थिति का कमजोर होना

(iv) हिंद महासागरीय क्षेत्र में भारत तथा चीन के बीच प्रतिस्पर्धा में वृद्धि

(v) हिंद महासागर के सैन्यकरण की संभावना में वृद्धि

ऐसे में हिंद महासागर चीन के प्रभावों को सीमित करने के लिए पड़ोस प्रथम की नीति पर काम करते हुए भारतीय विदेश मंत्री S. R. शंकर के शब्दों में "permanent Collaboration" के क्षेत्र को विकसित करेगा²⁸ होगा।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

Feedback

(For official use only)

Introduction

Content

Structure
& Presentation

Value Addition

Conclusion

Marks Obtained

13. भारत में शहरीकरण से संबंधित चुनौतियों का परीक्षण कीजिये एवं इन चुनौतियों के समाधान हेतु प्रभावी उपाय बताइये। (250 शब्द) 15

Examine the challenges associated with urbanization in India and propose effective solutions to address these issues. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लिखना
चाहिये।

(Candidate must not
write on this margin)

विभिन्न अध्ययनों के अनुसार भारत में शहरीकरण का स्तर 35-36% हो चुका है किंतु शहरीकरण के क्षेत्र में निवेश व नियोजन के अभाव के कारण भारत के शहर आज भी चुनौतीपूर्ण बने हुए हैं।

शहरीकरण से संबंधित चुनौतियाँ

- (i) 'अनियोजित' रूप से शहरीकरण का विस्तार
- (ii) जलापूर्ति व जलनिर्माण को सक्षम पुरानी का अभाव (New Delhi, Cochin, हादरा)
- (iii) जनसंख्या का अविशेष भार
- (iv) सार्वजनिक यात्रायात साधनों की अपर्याप्तता
- (v) उच्च वायु प्रदूषण (वर्ष 100 में से 83 सार्वजनिक प्रदूषित शहर भारत के)

- (iv) → अवशिष्ट (छोटे व वरल) प्रबंधन को समुचित व्यवस्था का न होना (शहरों में कचरे का पहाड़)
- (vii) → शहरों में गरीबों के लिए आवस्यिक अपर्याप्त सुविधा (धारावी)
- (viii) → अपर्याप्त आर्थिक अवसर

शहरीकरण तथा शहरी विकास के लिए किए गए कुछ उपाय

- स्मार्ट सिटी मिशन
- राष्ट्रीय अमृत योजना
- CITTIS कार्यक्रम
- स्वच्छ भारत मिशन (शहरी)
- दिल्ली के विकास हेतु मास्टर प्लान
- स्थानीय स्वशासन निकायों के तहत महानगरीय योजना समिति का प्रावधान
- शहरी विकास मंत्रालय की गठन
- संविधान के भाग-9 A में शहरी पंचायतों के संबंध में विस्तृत उपबंध

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

शहरीकरण की चुनौतियों से संबंधित
कुछ प्रभावी उपाय :-

- उपाय
- (i) उपनगरों के विकास हेतु प्रभावी योजना का निर्माण कार्यान्वयन
 - (ii) शहरी गरीबों के लिए आवास तथा आजीविका के समुचित व्यवस्था
 - (iii) शुरुआत की गई योजनाओं का लक्षित कार्यान्वयन
 - (iv) शहरी विकास से पूर्व अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप नियोजन और फिर उसको मूर्त रूप दिया जाना
 - (v) नगर आयोजना की संख्या में वृद्धि तथा उनकी क्षमता का लक्षित उपयोग किया जाना
 - (vi) राष्ट्रीय Rurban Mission के माध्यम से शहरी कुविधाओं को गांव तक सुलभ बनाना
 - (vii) लार्जनिक परिवहन प्रणाली में सुधार (METRO में सुधार)

उपरोक्त उपाय भारतीय नगरों के समस्त मांगूद चुनौतियों का समाधान करने और उन्हें निवास योग्य बनाने में सहायक हो सकते हैं।

www.drishtiias.com

Contact: 8750187501, 8448485517

Copyright - Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लिखना
चाहिये।

(Candidate must not
write on this margin)

Feedback

(For official use only)

Introduction

Content

Structure
& Presentation

Value Addition

Conclusion

Marks Obtained

14. वैश्वीकरण ने भारत में महिलाओं के लिये उपलब्ध भूमिकाओं और अवसरों को कैसे प्रभावित किया है? वैश्वीकरण के कारण महिलाओं के समक्ष प्रस्तुत होने वाली चुनौतियों पर चर्चा कीजिये।

(250 शब्द) 15

How has globalization affected the roles and opportunities available to women in India? Discuss the challenges faced by women due to globalization

(250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

विभिन्न देशों के बीच आपसी संबंधों/संपर्कों में सुधार प्रायः वैश्वीकरण के रूप में जाना जाता है। गौरतलब है कि वैश्वीकरण का प्रभाव समाज के सभी वर्गों पर पड़ा है तथा महिलाएँ भी इससे अधून नहीं रह सकीं।

महिलाओं के लिए उपलब्ध भूमिकाओं व अवसरों पर वैश्वीकरण का प्रभाव

प्रभाव

- (i) वैश्वीकरण के कारण उदारवादी मूल्यों के प्रोत्साहन से लैंगिक रुढ़िवाद में कमी
- (ii) वैश्वीकरण के कारण महिलाओं के जीवन स्तर में सुधार
- (iii) World from Home के नवीन आयुध के कारण महिलाओं के लिए आर्थिक

भूमिका का निर्वहन 'में' वृद्धि

- (iv) ^{आत्म} ~~आर्थिक~~ निर्भरता में वृद्धि कारण महिलाओं की सामाजिक व पारिवारिक स्थिति में सुधार
- (v) बहुराष्ट्रीय निगमों के आगमन से एकतरफ लै महिलाओं के आर्थिक अवसरों में वृद्धि वही दूसरी तरफ महिलाओं के जीवन से जुड़े विकल्पों में वृद्धि
- (vi) महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी को वैश्विक मानकों के अनुरूप करने के लिए 'नारी शक्ति वंदन विधेयक, 2023'

पेशीकरण के कारण महिलाओं के समय उत्पन्न

चुनौतियाँ

- (i) महिलाओं का अपनी संस्कृति से दूर होना
- (ii) महिलाओं की आर्थिक भूमिका तथा अन्य कुछ कारणों से महिलाओं के पारिवारिक दायित्वों के समुचित निर्वहन के का 33 कठिन होना।

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लिखना
चाहिये।

(Candidate must not
write on this margin)

→ (iii) वैश्वीकरण के कारण 'तलाक' की घटना में वृद्धि जिससे महिलाओं के समक्ष व्यापक समस्याओं का उत्पन्न होना।

→ (iv) महिलाओं के ज्यादा भ्रष्ट होने के कारण कुछ असामाजिक तत्वों के द्वारा महिलाओं के विरुद्ध किए जाने वाले अपराध में वृद्धि।

→ (v) स्वतंत्रता व स्वच्छंदता के नाम पर कई बार भ्रष्टाचार का प्रदर्शन।

इसमें वैश्वीकरण के कारण उत्पन्न होने वाले अवसरों का समुचित लाभ उठाने तथा महिलाओं के समक्ष विद्यमान चुनौतियों को दूर करने के लिए कई कदम उठाने की आवश्यकता है यथा -

- सामाजिक चेतना को जागरूक करना
- अधिक वैश्वीकरण के स्थान पर पूर्ण वैश्वीकरण पर बल
- वैश्वीकरण के अच्छे तत्वों का महिमा
- मजदूरी का पाना
- नारी शिक्षा व सुरक्षा में सुधार

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

Feedback

(For official use only)

Introduction
Content
Structure & Presentation
Value Addition
Conclusion
Marks Obtained

15.

समूह की भू-राजनीतिक प्रासंगिकता और आर्थिक शक्ति पर ईरान, सऊदी अरब तथा मिस्र जैसे देशों को शामिल करने के लिये BRICS सदस्यता के विस्तार के निहितार्थ का विश्लेषण कीजिये। BRICS के अंदर भारत की स्थिति और अपने राष्ट्रीय हितों को आगे बढ़ाने की क्षमता पर इस विकास के प्रभाव का मूल्यांकन कीजिये। (250 शब्द) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

Analyze the implications of the expansion of BRICS membership to include countries like Iran, Saudi Arabia, and Egypt on the group's geopolitical relevance and economic power. Evaluate the impact of this development on India's position within BRICS and its ability to further its national interests. (250 words) 15

2009 में गठित BRICS वैश्विक G.D.P में 31% तथा वैश्विक आवादी में 45-46% का योगदान करने के कारण विश्व का समुच्च संगठन माना जाता है।

BRICS के विस्तार का निहितार्थ

→ (i) कुल वैश्विक उर्जा उत्पादन में OPEC के बाद BRICS का इसरा सबसे बड़ा संगठन होना

→ (ii) G-20 के 8 सदस्यों का BRICS में शामिल होना

→ (iii) UNSC के दो स्थायी का BRICS में शामिल होना

→ (iv) वृद्धवर्षीय विश्व के विकास की भागीदारी को BRICS द्वारा दृढ़ रूप देने का व्यापक

→ (v) अमेरिका नित पश्चिम तथा चीन, रूस गठबंधन के बीच BRICS का एक 'सेक्टर' के रूप में उभरना

→ (vi) खाद्य सुरक्षा के क्षेत्र में BRICS देशों का प्रमुख स्थान रहा -

+ भारत
+ चीन
+ रूस
+ ब्राजील

भारत की स्थिति तथा प्रभावशीलता पर BRICS के विस्तार का प्रभाव :-

→ (i) BRICS के चारों नए सदस्य (सऊदी अरब, ईरान, UAE और मिस्र) भारत के प्रमुख साझेदार देश हैं।

→ (ii) UAE, भारत का प्रमुख व्यापारिक साझेदार होने के साथ ही मुक्त व्यापार समझौते व 'आई-2-यू-2' के साथ नजदीकी सम्बंध बनाए हुए हैं।

→ (iii) ईरान भारत का विस्तारित 'प्रथम हिस्सा' है इसके अतिरिक्त चावाहारु संरक्षण पर भारत का दल वर्षाई नियंत्रण

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

दोनों देशों के संबंधों के सम्बन्ध में विशाली

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लिखना
चाहिये।

(Candidate must not
write on this margin)

- (iv) किंतु वर्ष ही मिला भारत का एक तीव्र रणनीति
सापेक्षा देश बना
- (v) उर्जा सुरक्षा व प्रवासी आसपी के विषय भारत
और सऊदी अरब को एक ही धरातल
पर ला खड़ा करता है।

भारत के लिए कुछ चुनौतियाँ

- (i) पश्चिम तथा विश्व के बीच संतुलन
स्थापित करने में कठिनाई
- (ii) चीन के प्रभुत्व में शक्ति
- (iii) ईरान पर पश्चिमी प्रतिबंध
- (iv) BRICS मुद्दा के विषय पर भारत का
कोई प्रभावित रूप न होना

कुछ चुनौतियों के बावजूद BRICS का
हालिया विस्तार भारत के लिए हितकर
प्रतीत होता है।

Feedback

(For official use only)

Introduction

Content

Structure
& Presentation

Value Addition

Conclusion

Marks Obtained

16. अंतर्राज्यीय नदी जल प्रशासन में महत्वपूर्ण बाधाओं तथा देश के भीतर क्षेत्रीय तनावों पर उनके प्रभावों का विश्लेषण कीजिये। (250 शब्द) 15

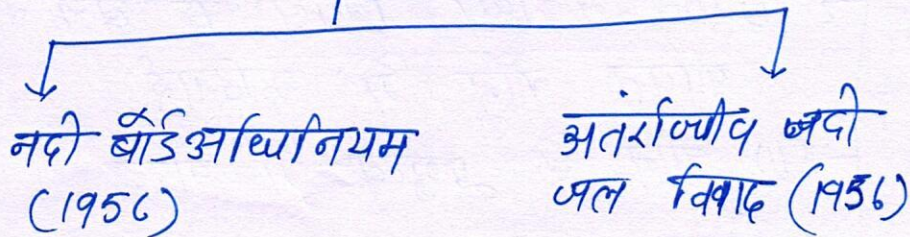
Analyze the significant obstacles in interstate river water governance and their repercussions on regional tensions within the nation. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

संविधान के अनुच्छेद-२६२ में अंतर्राज्यीय नदी जल प्रशासन से संबंधित प्रावधान किए गए हैं जिसके अलावा संसद के द्वारा दो विधियाँ बनाई गई हैं।

संसदीय विधियाँ



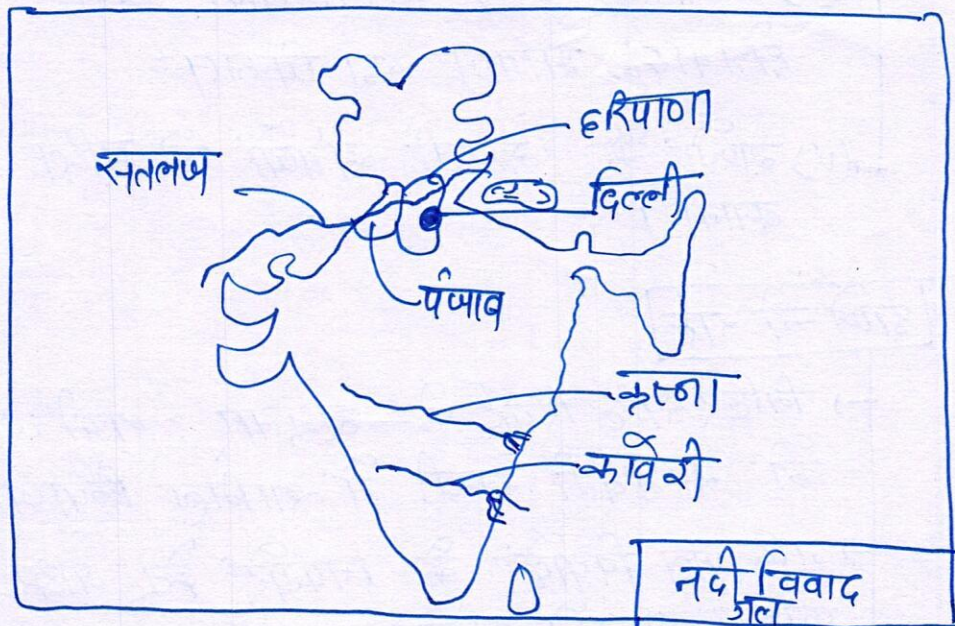
अंतर्राज्यीय नदी जल प्रशासन के समक्ष विद्यमान महत्वपूर्ण बाधाएँ —

- (i) विभिन्न राज्यों के बीच विवाद समन्वय व सहयोग का अभाव (सतलज के जल हेतु पंजाब और हरियाणा)
- (ii) राज्यों की बढ़ती जल आवश्यकता किंतु घटती जलापूर्ति (कर्नाटक और तमिलनाडु के बीच कावेरी जल विवाद)

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लिखना
चाहिये।

(Candidate must not
write on this margin)

- (iii) नदी बोर्डों का नित्यस्य कार्यान्वयन को
चूनेंगी
- (iv) नदी जल विवाद के निपटारे हेतु
जति प्राप्तिकरणों का पक्षपात इल्लकोण
- (v) संविधान में स्पष्ट सीमांकन के
बावजूद अंतर्राज्यीय नदी जल प्रशासन
के मुद्दे पर सर्वोच्च न्यायालय के
द्वारा सहिपता दिव्वाया जाना (कविरी
जल विवाद व सर्वोच्च न्यायालय का
निर्णय)।



प्रमुख नदी जल विवाद :-

- (i) सतलज नदी जल विवाद - पंजाब, H.R., Delhi
H.P., राजस्थान

- (ii) कावेरी:- तमिलनाडू और कर्नाटक
(iii) कृष्णा:- महाराष्ट्र और कर्नाटक

क्षेत्रीय तनाव पर इनका प्रभाव

- (i) सत्कारी संबंध का कमजोर होना
- (ii) हिंसक विरोधी के कारण कानून व्यवस्था की चुनौती
- (iii) सर्वोच्च न्यायालय के द्वारा अधिक सक्रियता
- (iv) राज्यों के बीच अलगाववादी तथा क्षेत्रवादी भावना का विकास
- (v) राज्यों के आपसी संबंधों को चरित बनाना।

झारखंड की राह

- मिहिर साह रिपोर्ट के अनुसार : नदी जल की समवर्ती सूची में शामिल किया जाए
- नदी जल विवादों के निपटारे हेतु गठित प्राधिकरण की अधिक प्रभावी बनाना
- अनुच्छेद-131 के तहत इस विषय को SC के द्वारा अधिकारिता में लाया जा सके

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लिखना
चाहिये।

(Candidate must not
write on this margin)

Feedback

(For official use only)

Introduction

Content

Structure
& Presentation

Value Addition

Conclusion

Marks Obtained

17.

भारत की G20 की अध्यक्षता का उसकी वैश्विक छवि और नेतृत्व भूमिका पर प्रभाव का आकलन कीजिये। भारत ने अपनी विदेश नीति के उद्देश्यों को अग्रगत करने और अधिक न्यायसंगत वैश्विक व्यवस्था को प्रोत्साहित करने के लिये अपनी अध्यक्षता का उपयोग कैसे किया है? (250 शब्द) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

Assess the impact of India's G20 presidency on its global image and leadership role. How has India used its presidency to advance its foreign policy objectives and promote a more equitable global order? (250 words) 15

G-20 विश्व की दो तिहाई जनसंख्या तथा G.D.P में 85% प्रतिशत का योगदान देने वाला एक 21 सदस्यीय वैश्विक संगठन है जिसके 18 वीं अर्थ शिखर सम्मेलन की अध्यक्षता भारत ने की थी।

भारत की अध्यक्षता का वैश्विक छवि और नेतृत्व भूमिका पर प्रभाव —

प्रभाव

→ (i) G-20 के अलग-अलग ब्लॉकों का देशों के 60 अलग-अलग देशों में आयोजन कर विश्व के समक्ष भारत के विविधता व व्यापकता का प्रदर्शन किया गया

→ (ii) पश्चिम तथा रूस के मतभेदों के बावजूद भारत द्वारा एक आम सहमत आधारित चौखण्ण का निर्माण भारत के नेतृत्व क्षमता का प्रदर्शन करता है।

- (iii) भारत के द्वारा अफ्रीकी संघ को शामिल किए जाने से वैश्विक दक्षिण के नेतृत्व रूप में भारत की स्थिति मजबूत हुई है।
- (iv) भारत के पहले बड़े डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर का विकास से वैज्ञानिक और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत की छवि बेहतर हुई है।
- (v) शिखा सम्मेलन में भारत की विविध संस्कृतियों व चरौदर का प्रतिनिधित्व भारत के स्पोर्ट्समैन को बढ़ावा मिला है।
(नालंदा विश्व विद्यालय, नटराज प्रतिमा)
- (vi) शिखा सम्मेलन के दौरान BIMEET तथा वैश्विक जैव ईंधन गठबंधन के दिशा में हुई प्रति से भारत की अंतराष्ट्रीय क्षमता में वृद्धि के साथ-साथ विश्व को भारत के पर्यावरण मित्र होने का संकेत-गवाह



उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लिखना
चाहिये।

(Candidate must not
write on this margin)

विदेश नीति को भागे बढ़ने तथा न्यायपूर्ण विश्व व्यवस्था के विकास में अपनी महत्ता के दौरान भारत द्वारा उठाए कुछ कदम -

- (i) भारत के द्वारा अफ्रीकी संघ को G-20 का सदस्य बनाने के लिए प्रस्ताव रखा जाना
- (ii) भारत के द्वारा वैश्व दक्षिण के आपाण की सड़ चढ़ कर उठाया जाना
- (iii) अपने सहयोगी राष्ट्रों तथा - UAC मित्रा आदि को शिवा सम्मेलन में आमंत्रित करना
- (iv) रूस को अपने दृष्टिकोण रखने का अवसर देकर न्यायपूर्ण विश्व व्यवस्था का प्रेक्षप्रवण करना।
- (v) देश के विभिन्न भागों में 'विभिन्न बेंचों' का आयोजन कर तथा भारतीय संस्कृति व विकास का प्रदर्शन अपने स्नातकोत्तर को बनाना।

अपने उपरोक्त उपायों व नवोन्मेषी रूपों के कारण ही बिभाजित विश्व में G-20 का सफल आयोजन भारत प्रमुख वैश्व शक्ति के रूप में अपना स्थान सुरक्षित कर सका।

www.drishtiias.com

Contact: 8750187501, 8448485517

Copyright - Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लिखना
चाहिये।

(Candidate must not
write on this margin)

Feedback

(For official use only)

Introduction

Content

Structure
& Presentation

Value Addition

Conclusion

Marks Obtained

18. भारत में लैंगिक असमानता और निर्धनता के बीच संबंधों का अन्वेषण कीजिये। चर्चा कीजिये कि महिलाओं को सशक्त बनाना निर्धनता उन्मूलन एवं सतत् विकास में किस प्रकार योगदान कर सकता है।

(250 शब्द) 15

Explore the linkages between gender inequality and poverty in India. Discuss how empowering women can contribute to poverty reduction and sustainable development.

(250 words) 15

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लिखना
चाहिये।

(Candidate must not
write on this margin)

WEF के वैश्व लैंगिक
अंतराल सूचकांक - 2024 में भारत का 129वां
स्थान तथा विश्व बैंक के अनुसार
भारत में सर्वाधिक गरीबी की जनसंख्या
ता होना एक अर्थ में लैंगिक असमानता
तथा निर्धनता के बीच स्पष्ट संबंध
की ओर इशारा करता है।

कुछ तथ्य

- (i) CMIE के अनुसार भारत के
कुल श्रम बल भागीदारी में महिलाओं की
हिससे दली केवल 9% है। (कुछ अनुमानों
के अनुसार 20-22%)
- (ii) आर्थिक गतिविधियों में महिलाओं की
हिससे दली न होने के कारण महिलाओं
के आय सृजन क्षमता अप्रयुक्त रह
जाते हैं।

iii) 'क्लौडिया गोल्लिन' ने भी अपने भ्रातृपणों में भी इस और संकेत किया है।

iv) IMF के अनुसार हम वल भागीदारी में महिलाओं के 10% की वृद्धि देश के G.D.P में ₹.700 अरब डॉलर तक की वृद्धि कर सकला है।

v) वैश्विक असमानता के कारण महिलाओं के शिक्षा स्वास्थ्य व पेशागत विकास के आय: परिवार के द्वारा अपेक्षा की जाती है। जिससे उनकी उत्पादकता कम होती है।

(vi)

सतत विकास तथा निर्धनता उन्मूलन में महिला सशक्तीकरण की भूमिका →

→ (i) यह मान्यता की एक शिक्षित महिला पूरे परिवार को शिक्षित करती है।

→ (ii) महिलाओं की आर्थिक भागीदारी से परिवार की आय में वृद्धि

→ (iii) महिलाओं के सशक्तीकरण का परिणाम समाज के 45 सदस्यी दृष्टि पर चौर

(iv) महिलाओं का ~~बहु~~ पर्यावरण के प्रति अधिक संवेदनशील होने के कारण धारणीय विकास पर बल

सरकारी उपाय

- ग्रौव दीदी योजना
- लक्ष्मि दीदी योजना
- बिहार में जीविका मिशन
- सरकारी योजनाओं में महिलाओं को ही घर की मुखिया माना
- बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ
- नारी शक्ति वेदंग विधेयक

SDG-1 तथा SDG-10 के लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु महिला सशक्तीकरण अनिवार्य शर्त है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

Feedback

(For official use only)

Introduction

Content

Structure
& Presentation

Value Addition

Conclusion

Marks Obtained



19. SCO के तहत भू-राजनीतिक जटिलताओं को ध्यान में रखते हुए, अपने सामरिक एवं आर्थिक हितों को संवर्द्धित करने के क्रम में SCO में भारत की अध्यक्षता की प्रभावशीलता का मूल्यांकन कीजिये।

(250 शब्द) 15

Considering the geopolitical complexities within the SCO, evaluate the effectiveness of India's presidency in advancing its strategic and economic interests in the region.

(250 words) 15

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लिखना
चाहिये।

(Candidate must not
write on this margin)



उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लिखना
चाहिये।

(Candidate must not
write on this margin)



उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लिखना
चाहिये।

(Candidate must not
write on this margin)

Feedback
(For official use only)

Introduction
Content
Structure & Presentation
Value Addition
Conclusion
Marks Obtained

20.

भारत में बहुआयामी निर्धनता और मानव विकास के विभिन्न पहलुओं पर इसके प्रभाव की चर्चा कीजिये।

(250 शब्द) 15

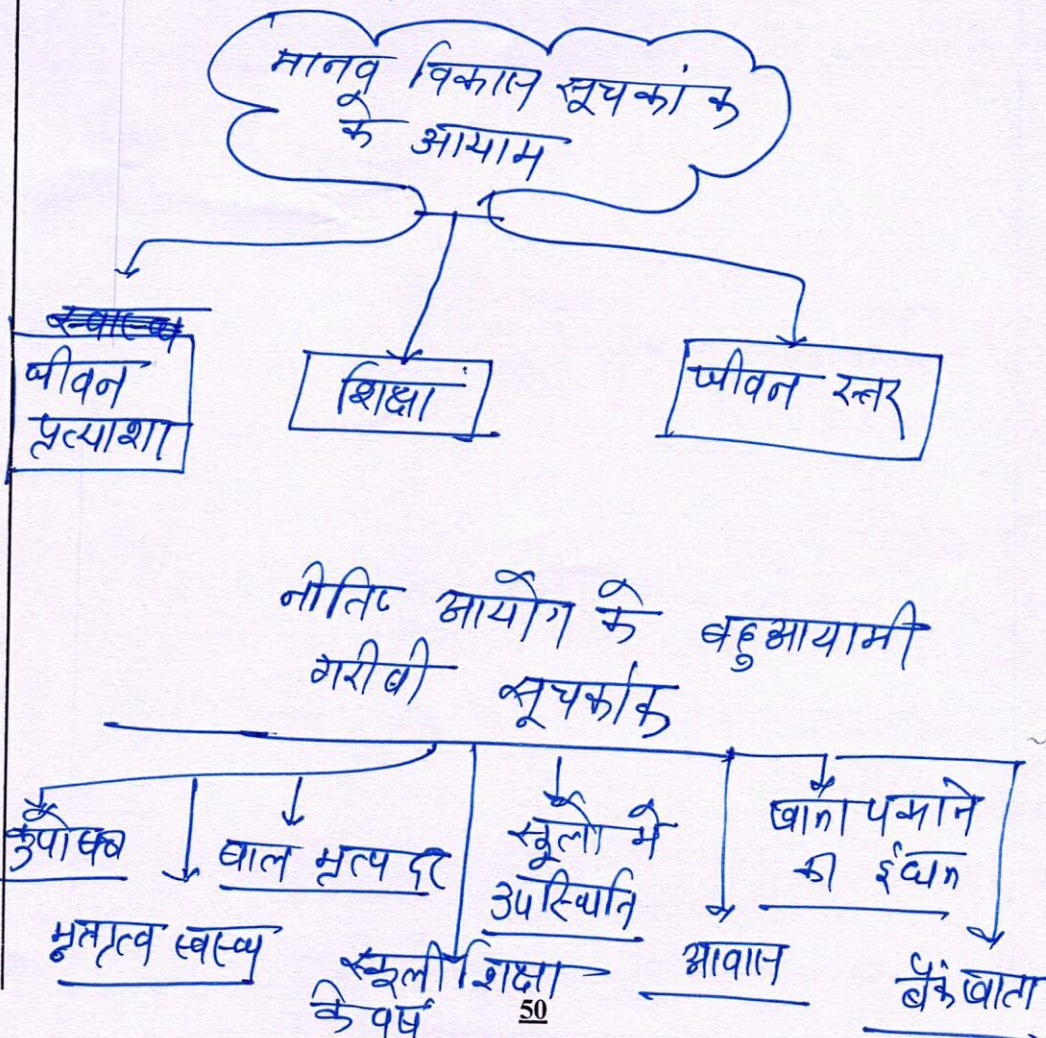
Discuss the multidimensional poverty in India and its impact on various aspects of human development.

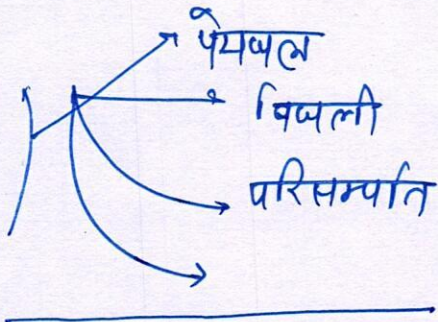
(250 words) 15

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लिखना
चाहिये।

(Candidate must not
write on this margin)

UNDP के अनुसार भारत मानव विकास सूचकांक में 134 वें स्थान पर है। वही नीति आयोग द्वारा प्रकाशित बहुआयामी गरीबी सूचकांक में किताब दस वर्षों में भारत में 25 करोड़ लोगों की निर्धनता रेखा से ऊपर आने की चर्चा की गई है।





उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लिखना
चाहिये।

(Candidate must not
write on this margin)

उपरोक्त सूचकांकों से यह स्पष्ट होता है
कि मानव विकास बहुआयामी गरीबी से
गहरी से जुड़ा हुआ है।

प्रभाव

- छोटापन, बाल मृत्यु तथा मानव
स्वास्थ्य का जीवन प्रत्याशा तथा
स्वास्थ्य पर गहरा प्रभाव पड़ता है।
 - स्कूलों में उपस्थिति व स्कूलों में
बिनाए गए वर्ष से शिक्षा के स्तर का विधीय
 - वही बहुआयामी सूचकांक के भव्य आयाम
जीवन स्तर को प्रभावित करते हैं
- इन्हीं कारणों से प्रत्यक्ष बहुआयामी
निर्धनता में कमी से मानव विकास
की स्थिति में सुधार की संभावना
व्यक्त की जाती है यद्यपि भारत में
सह संबंध प्रस्तावित रहा है इसका
मुख्य कारण बहुआयामी गरीबी निर्धारण में

www.drishtiiias.com

Contact: 8750187501, 8448485517

Copyright - Drishti The Vision Foundation

भेजनाई जाने वाली गलत
प्रतिय व आरुद्ध
का प्राण जा रहा है



उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लिखना
चाहिये।

(Candidate must not
write on this margin)

Feedback

(For official use only)

Introduction
Content
Structure & Presentation
Value Addition
Conclusion
Marks Obtained



Space for Rough Work
(रफ़ कार्य के लिये स्थान)



Space for Rough Work
(रफ कार्य के लिये स्थान)



Space for Rough Work
(रफ़ कार्य के लिये स्थान)



Space for Rough Work
(रफ़ कार्य के लिये स्थान)